राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 28 जून • 2023

़म क्षेत्र में अधिक लाभ वाली फसल प्रजातियों का करें चयन

समीक्षा बैठक में बोले चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के कुलपति

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि
ौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति
नंद कुमार सिंह ने कहा कि कृषि के वदलते
व वैश्विक परिवेश में कम क्षेत्रफल में
़ शुद्ध लाभ देने वाली फसल प्रजातियों का
केया जाना आवश्यक है। यहां उत्तर प्रदेश
अनुसंधान
के
निदेशक
ाय सिंह ने कहा
ृषि को लेकर
ात तकनीकें
से जल्द कृषि
केन्द्रों के
से किसानों तक पहुंचायी जायें।
वश्वविद्यालय में शोध, शिक्षण व प्रसार
धियों की समीक्षा के लिये आयोजित वैठक
पति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने कहा कि शोध
के साथ साथ शिक्षण गतिविधियों में भी
किये जाने के अलावा और कोई विकल्प
। श्री सिंह ने कहा कि कृषि का राष्ट्रीय एवं
क परिदृश्य वदल रहा है, इसलिये कम
न में अधिक शुद्ध लाभ देने वाली फसलों

सीएसए कृषि विवि में बैठक करते कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह व अन्य। फोटो : एसएनबी

की प्रजातियों का चयन किया जाना आवश्यक है। साथ ही उत्पादन के साथ साथ गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देते हुए मूल्य संवर्धन पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। वैठक में मुख्य अतिथि उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ.संजय सिंह ने प्रसार गतिविधियों पर जोर देते हुए कहा कि जितनी भी तकनीक विकसित होती है, उसको कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों के खेतों तक त्वरित पहुंचाया जाये ताकि तकनीकी अंगीकरण का प्रतिशत वढ़ सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र जो उत्पाद विशेष के हैं, के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया जाये। इस अवसर पर शोध, शिक्षण व प्रसार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया गया। यहां डॉ.पीके सिंह ने शोध गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों और कुलसचिव डॉ.पीके उपाध्याय ने शिक्षण गतिविधियों के सम्वंध में विस्तार से प्रस्तुतिकरण दिया। इस मौके पर अर्थ नियंत्रक, निदेशक वीज एवं प्रक्षेत्र, अधिष्ठता मत्स्य, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता गृह विज्ञान और अध्यक्ष सव्जी विज्ञान ने भी विचार व्यक्त किये। यहां डॉ.राजीव, डॉ.पीके सिंह सहित विभिन्न जनपदों के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक मौजूद थे।

Sign in to edit and save changes to this file.

Kanpur, Wednesday, 28 June 2023
KANPUR EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 12

दैनिक जागरण

www.inextlive.com
Published from KANPUR • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

'एक घर, दो लॉ नही चल सकता' }09
बीजिंग मे दिखेगा अब 'मिनी इंडिया' }12

inext DYNAMIC EDITION
#IndiavsPakistan
#UniformCivilCode
#ICCWorldCup

रिसर्च वर्क तेज करने के साथ टीचिंग में हो सुधार

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

• मीटिंग में वीसी ने दिए अहम दिशा निर्देश.

सीएसए वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की रिसर्च, टीचिंग और एक्सटेंशन की समीक्षा बैठक

KANPUR (27 June): चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में नवागंतुक वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने ट्यूसडे को रिसर्च, टीचिंग और एक्सटेंशन एक्टिविटी की समीक्षा बैठक ली. वीसी डॉ. सिंह ने कहा कि रिसर्च वर्क के साथ साथ टीचिंग एक्टिविटी में भी गुणात्मक सुधार किए जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है. एग्रीकल्चर का का नेशनल और ग्लोबल परिवेश बदल रहा है, इसलिए कम एरिया में अधिक शुद्ध लाभ देने वाली फसलों की वैरायटी को सिलेक्ट किया जाना आवश्यक है. डॉ. पीके सिंह, डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, और डॉ. राजीव समेत केवीके और सीएसए के प्रोफेसर्स और अधिकारी मौजूद रहे.

केवीके के जरिए पहुंचे

मीटिंग में चीफ गेस्ट, डीजी यूपी कृषि अनुसंधान परिषद डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि जितनी भी टेक्नोलॉजी डेवलप होती है, उसको कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से किसानों के खेतों तक पहुंचाया जाए. उन्होंने कहा कि सभी केवीके अपनी जिम्मेदारी समझते हुए किसानों को ट्रेंड करें.

मृत घोषित कर दिया।

‘अधिक उत्पादन वाली प्रजातियां विकसित करें’

कानपुर। सीएसए में शोध, शिक्षण व प्रसार गतिविधियों को लेकर समीक्षा की गई। विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक कम क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन वाली प्रजातियां विकसित करें। शोध कार्यों के साथ शिक्षण कार्यों की गुणवत्ता सुधार जरूरी है। विवि के कुलपति सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कुलपति ने मौजूद सभी वैज्ञानिकों से सुझाव भी पूछे। मुख्य अतिथि उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने प्रसार गतिविधियों पर जोर दिया। डॉ. पीके सिंह ने शोध गतिविधियां बताईं।

र्देश

कार्य कराया गया ,जिसे करने का या। लोक पुर में एक अन्त तक सन सम्बंधि या गया। नें 6 कार्य, र्य अवशेश् क ने कहा राये जाए वशेष ध्यान में आयुक्त कार्यो की गई तथा ध्यान रखते का निर्देश

चात कर एवं हन, विद्यत न विभाग, कों द्वारा की समीक्षा के सापेक्ष र्देश दिया भी पुलिस नून व्यवस्था न्होंने कहा एवं सावन के दृष्टिगत हुये कानून न–दुरूस्त ू–माफियों बल दिया को रोकने दी गई।

कार

सीएसए में शोध,शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की हुई गहन समीक्षा बैठक

अनवर अशरफ । कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की समीक्षा बैठक का आयोजन कुलपति सभाकक्ष में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा गया कि शोध कार्यों के साथ–साथ शिक्षण गतिविधियों में भी गुणात्मक सुधार किए जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। डॉ सिंह ने कहा कि कृषि का राष्ट्रीय एवम वैश्विक परिवेश बदल रहा है इसलिए कम क्षेत्रफल पर अधिक शुद्ध लाभ देने वाली फसलों की प्रजातियों का चयन किया जाना आवश्यक है। तथा उत्पादन के साथ–साथ गुणवत्ता की ओर विशेष ध्यान देते हुए मूल्य संवर्धन पर हमें ध्यान केंद्रित करना होगा। इस अवसर पर कुलपति ने बैठक में शामिल लोगों से उनके विचार भी जाने। बैठक में मुख्य अतिथि महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद डॉक्टर संजय सिंह द्वारा प्रसार गतिविधियों पर बल देते हुए कहा कि जितनी भी तकनीक विकसित होती है उसको कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों के खेतों तक त्वरित पहुंचाया जाए। ताकि तकनीकी अंगीकरण का प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित उत्कृष्टता केंद्र जो उत्पाद विशेष हैं के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया जाए। इस अवसर पर शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। डॉ पी के सिंह द्वारा शोध गतिविधियां तथा डॉक्टर आरके यादव निदेशक प्रसार द्वारा प्रसार गतिविधियों तथा कुलसचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा शिक्षण गतिविधियों के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर अर्थ नियंत्रक, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र, अधिष्ठाता मत्स्य,अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता गृह विज्ञान तथा अध्यक्ष अध्यक्ष सब्जी विज्ञान विभाग ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।जबकि अंत में अतिथियों को धन्यवाद निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा दिया गया।इस बैठक में विभिन्न जनपदों से आए कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिको ने प्रतिभाग किया ।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अमर स्तम्भ

वर्ष-11,
अंक-262,
पृष्ठः12
मूल्यः 3.00 रुपये

कानपुर,बुधवार
28 जून 2023

सीएसए में शोध,शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की हुई गहन समीक्षा बैठक

पप्पू यादव (ब्यूरो प्रमुख) यूपी कानपुर (अमर स्तम्भ) / चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की समीक्षा बैठक का आयोजन कुलपति सभाकक्ष में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा गया कि शोध कार्यों के साथ-साथ शिक्षण गतिविधियों में भी गुणात्मक सुधार किए जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। डॉ सिंह ने कहा कि कृषि का राष्ट्रीय एवम वैश्विक परिवेश बदल रहा है इसलिए कम क्षेत्रफल पर अधिक शुद्ध लाभ देने वाली फसलों की प्रजातियों का चयन किया जाना आवश्यक है। तथा उत्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता की ओर विशेष ध्यान देते हुए मूल्य संवर्धन पर हमें ध्यान केंद्रित करना होगा। इस अवसर पर कुलपति ने बैठक में शामिल लोगों से उनके विचार भी जाने। बैठक में मुख्य अतिथि महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद डॉक्टर संजय सिंह द्वारा प्रसार गतिविधियों पर बल देते हुए कहा कि जितनी भी तकनीक विकसित होती है उसको कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों के खेतों तक त्वरित पहुंचाया जाए। ताकि तकनीकी अंगीकरण का प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित उत्कृष्टता केंद्र जो उत्पाद विशेष हैं के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया जाए। इस अवसर पर शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। डॉ पी के सिंह द्वारा शोध गतिविधियां तथा डॉक्टर आरके यादव निदेशक प्रसार द्वारा प्रसार गतिविधियों तथा कुलसचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा शिक्षण गतिविधियों के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर अर्थ नियंत्रक, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र, अधिष्ठाता मत्स्य,अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता गृह विज्ञान तथा अध्यक्ष अध्यक्ष सब्जी विज्ञान विभाग ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।जबकि अंत में अतिथियों को धन्यवाद निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा दिया गया।इस बैठक में विभिन्न जनपदों से आए कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिको ने प्रतिभाग किया ।

अमर उजाला कानपुर 28/06/2023

न्यूज डायरी

अधिक पैदावार वाली प्रजातियां विकसित करें

कानपुर। शोध कार्यों के साथ शिक्षण कार्यों की गुणवत्ता सुधार जरूरी है। वैज्ञानिक कम क्षेत्रफल में अधिक पैदावार वाली प्रजातियों का विकास करें। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार को शोध, शिक्षण व प्रसार गतिविधियों को लेकर समीक्षा में कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कही। मुख्य अतिथि उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह रहे। डॉ. पीके सिंह, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. आरके यादव ने विभिन्न जानकारियां दीं। (ब्यूरो)

सीएसए में शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की समीक्षा बैठक संपन्न

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में बीते दिन मंगलवार को शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ शिक्षण गतिविधियों में भी गुणात्मक सुधार किए जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि कृषि का राष्ट्रीय एवं वैश्विक परिवेश बदल रहा है इसलिए कम क्षेत्रफल पर अधिक शुद्ध लाभ देने वाली फसलों की प्रजातियों के चयन के साथ उत्पादन की गुणवत्ता की ओर विशेष ध्यान देते हुए मूल्य संवर्धन पर हम सभी को ध्यान केंद्रित करना होगा। कुलपति ने बैठक में मौजूद सभी लोगों के विचारों को भी सुना। मुख्य अतिथि महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद डॉ.संजय सिंह ने कहा कि जितनी भी तकनीक विकसित होती है उसको कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों के खेतों तक त्वरित पहुंचाया जाए। जिससे तकनीकी अंगीकरण का प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने कहा कि उत्पाद विशेष कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया जाए। इस अवसर पर डॉ. पी. के. सिंह द्वारा शोध गतिविधियां तथा निदेशक प्रसार डॉ. आर. के. यादव द्वारा प्रसार गतिविधियों तथा कुलसचिव डॉ. पी. के. उपाध्याय द्वारा शिक्षण गतिविधियों के संबंध में प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में विभिन्न जनपदों से आए कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिको ने प्रतिभाग किया ।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष: 8, अंक : 33 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, बुधवार
28 जून, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

सीएसए में शोध,शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की हुई गहन समीक्षा बैठक

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की समीक्षा बैठक का आयोजन कुलपति सभाकक्ष में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा गया कि शोध कार्यों के साथ-साथ शिक्षण गतिविधियों में भी गुणात्मक सुधार किए जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। डॉ सिंह ने कहा कि कृषि का राष्ट्रीय एवम वैश्विक परिवेश बदल रहा है इसलिए कम क्षेत्रफल पर अधिक शुद्ध लाभ देने वाली फसलों की प्रजातियों का चयन किया जाना आवश्यक है। तथा उत्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता की ओर विशेष ध्यान देते हुए मूल्य संवर्धन पर हमें ध्यान केंद्रित करना होगा। इस अवसर पर कुलपति ने बैठक में शामिल लोगों से उनके विचार भी जाने।

बैठक में मुख्य अतिथि महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद डॉक्टर संजय सिंह द्वारा प्रसार गतिविधियों पर बल देते हुए कहा कि जितनी भी तकनीक विकसित होती है उसको कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों के खेतों तक त्वरित पहुंचाया जाए। ताकि तकनीकी अंगीकरण का प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित उत्कृष्टता केंद्र जो उत्पाद विशेष हैं के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया जाए। इस अवसर पर शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। डॉ पी के सिंह द्वारा शोध गतिविधियां तथा डॉक्टर आरके यादव निदेशक प्रसार द्वारा प्रसार गतिविधियों तथा कुलसचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा शिक्षण गतिविधियों के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर अर्थ नियंत्रक, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र, अधिष्ठाता मत्स्य,अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता गृह विज्ञान तथा अध्यक्ष अध्यक्ष सब्जी विज्ञान विभाग ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।जबकि अंत में अतिथियों को धन्यवाद निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा दिया गया।इस बैठक में विभिन्न जनपदों से आए कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिको ने प्रतिभाग किया।

वर्ष-17 अंक-174 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 28 जून 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

सीएसए में शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की हुई समीक्षा बैठक

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की समीक्षा बैठक का आयोजन कुलपति सभाकक्ष में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा गया कि शोध कार्यों के साथ-साथ शिक्षण गतिविधियों में भी गुणात्मक सुधार किए जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। डॉ सिंह ने कहा कि कृषि का राष्ट्रीय एवम वैश्विक परिवेश बदल रहा है इसलिए कम क्षेत्रफल पर अधिक शुद्ध लाभ देने वाली फसलों की प्रजातियों का चयन किया जाना आवश्यक है। तथा उत्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता की ओर विशेष ध्यान देते हुए मूल्य संवर्धन पर हमें ध्यान केंद्रित करना होगा। इस अवसर पर

कुलपति ने बैठक में शामिल लोगों से उनके विचार भी जाने। बैठक में मुख्य अतिथि महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद डॉक्टर संजय सिंह द्वारा प्रसार गतिविधियों पर बल देते हुए कहा कि जितनी भी तकनीक विकसित होती है उसको कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों के खेतों तक त्वरित पहुंचाया जाए। ताकि तकनीकी अंगीकरण का प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित उत्कृष्टता केंद्र जो उत्पाद विशेष हैं के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित किया जाए। इस अवसर पर शोध, शिक्षण एवं प्रसार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। डॉ पी के सिंह द्वारा शोध गतिविधियां तथा डॉक्टर आरके यादव निदेशक प्रसार द्वारा प्रसार गतिविधियों तथा कुलसचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा शिक्षण गतिविधियों के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर अर्थ नियंत्रक, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र, अधिष्ठाता मत्स्य,अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता गृह विज्ञान तथा अध्यक्ष अध्यक्ष सब्जी विज्ञान विभाग ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव द्वारा किया गया।जबकि अंत में अतिथियों को धन्यवाद निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा दिया गया।इस बैठक में विभिन्न जनपदों से आए कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिको ने प्रतिभाग किया ।